हिमाचलप्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
मानविकी एवं भाषासंकाय
विभागः – संस्कृतम्

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति की तृतीय बैठक का कार्यविवरण

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति तृतीय बैठक का आयोजन हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीय-विश्वविद्यालय के धर्मशाला स्थित धौलाधार परिसर में २१ सितम्बर, २०१७ दिनाङ्क को, १०.३० पूर्वाह्न में हुआ। गोष्ठी का आरम्भ औपचारिक स्वागतभाषण से समिति के अध्यक्ष / संयोजक प्रो० रोशनलालशर्मा द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में उपस्थित सदस्य –

१. प्रो० रोशनलालशर्मा, अध्यक्ष, संयोजक, कुलपति द्वारा संस्तुत
२. प्रो० लक्ष्मीनिवासपाण्डेय, बाह्यविषयविशेषज्ञ, प्राचार्य,वेदव्यासपरिसर,बलाहर, काङ्गड़ा
३. डॉ० मधुकोण्डारविन्द्रनाथ, कुलपति द्वारा संस्तुत
४. डॉ० विवेक शर्मा
५. डॉ० कुलदीप कुमार
६. डॉ० भजहरिदास
७. श्रीमती अर्चना
८. श्रीमती अनुराधा (आमन्त्रित)

विषयक्र. एसकेटी/बी.ओ.एस./३.१ :

- २६ नवम्बर,२०१६ दिनाङ्क को आयोजित शैक्षिकसमिति के कार्यवृत्त का उपस्थापन। (द्रष्टव्यम् - संलग्नकसंख्या-१)

कार्यविवरण :

संस्कृतविभाग की शैक्षिक समिति के समक्ष उपस्थापित द्वितीय शैक्षिक समिति के कार्य और नियम शैक्षिकसमिति के कार्य एवं नियम रूप से अनुमोदित किये गये। जो गुरुवार २१ सितम्बर, २०१७ दिनाङ्क से प्रवृत्त होंगे।

विषय क्र. एसकेटी / बी.ओ.एस. / ३.२ :

- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा में द्वितीय अयन (समेस्टर) के विद्यार्थियों के द्वारा चयनाधारित मूल्यपद्धति (सीबीसीएस) के अन्तर्गत अपेक्षितमूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति (द्रष्टव्य – संलग्नकसंख्या - २)।
- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठास्तर के चतुर्थ अयन के विद्यार्थियों का चतुर्थ सत्र में आठ मूल्याङ्कों के और पञ्चम षष्ठ अयनों में इन्ही विद्यार्थियों की चयनाधारितमूल्यपद्धति के अन्तर्गत अपेक्षित मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति (द्रष्टव्य – संलग्नकसंख्या - २)।
- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर में चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) निर्धारित (१४०) मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ पाठ्यक्रम के पुनस्संरचनार्थ अनुमति (द्रष्टव्यम्-संलग्नकसंख्या-३.अ, ३.ब)।

<u>कार्यविवरणम् :</u>

- पूर्वव्यापी प्रभाव से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर के द्वितीय अयन विद्यार्थियों के द्वारा चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) अपेक्षित मूल्याङ्कों को तृतीय-चतुर्थ-पञ्चम एवं षष्ठ अयन में अर्जनार्थ करने की अनुमति प्रदान कर दी गयी (द्रष्टव्यम् – संलग्नकसंख्या - २)।
- पूर्वव्यापी प्रभाव से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठास्तर के चतुर्थ अयन विद्यार्थियों के द्वारा चतुर्थ अयन में आठ मूल्याङ्कों के और पञ्चम-षष्ठ अयनों में इन्ही विद्यार्थियों की चयनाधारितमूल्यपद्धति के अन्तर्गत अपेक्षित मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति प्रदान कर दी गई (द्रष्टव्यम् – संलग्नकसंख्या - २)।
- पूर्वव्यापी प्रभाव से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर में चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) निर्धारित (१४०) मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ पाठ्यक्रम के पुनस्संरचनार्थ अनुमति दे दी गई। स्नातक प्रथम अयन (2017 ख्रिष्टाब्द) में २४ श्रेयाङ्क पढाये जा रहे हैं, जिनकी **पूर्वव्यापी प्रभाव** से अनुमति दे दी गई। एवं इसके बाद अर्थात् जुलाई २०१८ के वृष्टि सत्र से **संलग्नकसंख्या-३.ब** में प्रदर्शित किये गये अयनानुसार श्रेयाङ्कों को पढ़ाया जायेगा यह भी अनुमति दे दी गई। (द्रष्टव्यम्-संलग्नकसंख्या-३अ, ३ब)

संलग्नकसंख्या-१

हिमाचलप्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
मानविकी एवं भाषासंकाय
विभागः – संस्कृतम्

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति की चतुर्थ बैठक का कार्यविवरण

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति की चतुर्थ बैठक का आयोजन हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीय-विश्वविद्यालय के धर्मशाला स्थित धौलाधार परिसर में ८ अगस्त, २०१८ दिनाङ्क को, १०.३० पूर्वाह्न में हुआ। गोष्ठी का आरम्भ औपचारिक स्वागतभाषण से समिति के अध्यक्ष / संयोजक प्रो० रोशनलालशर्मा द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में उपस्थित सदस्य –

१. प्रो० रोशनलालशर्मा, अध्यक्ष, संयोजक, कुलपति द्वारा संस्तुत
२. प्रो० राजेन्द्रा शर्मा, हि० प्र० वि० वि० संस्कृत विभाग
३. प्रो० लक्ष्मीनिवासपाण्डेय, बाह्यविषयविशेषज्ञ,
   प्राचार्य,वेदव्यासपरिसर,बलाहर, काङ्गड़ा
४. प्रो० सतीश कुमार गंजु, कुलपति द्वारा संस्तुत
५. डॉ० कुलदीप कुमार
६. डॉ० विवेक शर्मा
७. डॉ० भजहरिदास
८. श्रीमती अर्चना

विषयक्र. एसकेटी/बी.ओ.एस./४.१ :

- २१ सितम्बर, २०१७ दिनाङ्क को आयोजित शैक्षिकसमिति के कार्यवृत्त का उपस्थापन। (द्रष्टव्यम् - संलग्नकसंख्या-१)

कार्यविवरण :

संस्कृतविभाग की शैक्षिक समिति के समक्ष उपस्थापित तृतीय शैक्षिक समिति के कार्य और नियम शैक्षिकसमिति के कार्य एवं नियम रूप से अनुमोदित किये गये। जो गुरुवार ९ अगस्त, २०१८ दिनाङ्क से प्रवृत्त होंगे। प्रो० लक्ष्मी निवास पाण्डेय एवं प्रो० राजेन्द्रा शर्मा ने संस्कृत विभाग को निर्देशित किया कि **SKT 216** संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति इस प्रश्नपत्र का नामकरण बदलकर **संस्कृतं भारतीयसंस्कृतिश्च (एकः परिचयः)** कर दिया जाये। इसके अतिरिक्त बतलाया गया कि दो प्रश्नपत्रों में त्रुटि है उनको सुधार लिया जाये। साथ ही ये निर्देशित किया गया कि दिनाङ्क १० अगस्त

२०१८ को आयोजित होने वाली स्कूल बोर्ड की बैठक तक इन त्रुटियों को सुधार लिया जाये। इस मद के अन्तर्गत प्रो० लक्ष्मी निवास पाण्डेय जी ने सुझाव दिया कि सभी प्रश्न पत्रों के नाम यथा शीघ्र संस्कृत में परिवर्तन कर दिये जायें।

संलग्नकसंख्या-१

हिमाचलप्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
मानविकी एवं भाषासंकाय
विभागः – संस्कृतम्

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति की तृतीय बैठक का कार्यविवरण

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति तृतीय बैठक का आयोजन हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीय-विश्वविद्यालय के धर्मशाला स्थित धौलाधार परिसर में २१ सितम्बर, २०१७ दिनाङ्क को, १०.३० पूर्वाह्न में हुआ। गोष्ठी का आरम्भ औपचारिक स्वागतभाषण से समिति के अध्यक्ष / संयोजक प्रो० रोशनलालशर्मा द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में उपस्थित सदस्य –

९. प्रो० रोशनलालशर्मा, अध्यक्ष, संयोजक, कुलपति द्वारा संस्तुत
१०. प्रो० लक्ष्मीनिवासपाण्डेय, बाह्यविषयविशेषज्ञ, प्राचार्य,वेदव्यासपरिसर,बलाहर, काङ्गड़ा
११. डॉ० मधुकोण्डारविन्द्रनाथ, कुलपति द्वारा संस्तुत
१२. डॉ० विवेक शर्मा
१३. डॉ० कुलदीप कुमार
१४. डॉ० भजहरिदास
१५. श्रीमती अर्चना
१६. श्रीमती अनुराधा (आमन्त्रित)

विषयक्र. एसकेटी/बी.ओ.एस./३.१ :

- २६ नवम्बर,२०१६ दिनाङ्क को आयोजित शैक्षिकसमिति के कार्यवृत्त का उपस्थापन। (द्रष्टव्यम् - संलग्नकसंख्या-१)

कार्यविवरण :

संस्कृतविभाग की शैक्षिक समिति के समक्ष उपस्थापित द्वितीय शैक्षिक समिति के कार्य और नियम शैक्षिकसमिति के कार्य एवं नियम रूप से अनुमोदित किये गये। जो गुरुवार २१ सितम्बर, २०१७ दिनाङ्क से प्रवृत्त होंगे।

विषय क्र. एसकेटी / बी.ओ.एस. / ३.२ :

- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा में द्वितीय अयन (समेस्टर) के विद्यार्थियों के द्वारा चयनाधारित मूल्यपद्धति (सीबीसीएस) के अन्तर्गत अपेक्षितमूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति (द्रष्टव्य – संलग्नकसंख्या - २)।
- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठास्तर के चतुर्थ अयन के विद्यार्थियों का चतुर्थ सत्र में आठ मूल्याङ्कों के और पञ्चम षष्ठ अयनों में इन्ही विद्यार्थियों की चयनाधारितमूल्यपद्धति के अन्तर्गत अपेक्षित मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति (द्रष्टव्य – संलग्नकसंख्या - २)।
- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर में चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) निर्धारित (१४०) मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ पाठ्यक्रम के पुनस्संरचनार्थ अनुमति (द्रष्टव्यम्-संलग्नकसंख्या-३.अ, ३.ब)।

कार्यविवरणम् :

- पूर्वव्यापी प्रभाव से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर के द्वितीय अयन विद्यार्थियों के द्वारा चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) अपेक्षित मूल्याङ्कों को तृतीय-चतुर्थ-पञ्चम एवं षष्ठ अयन में अर्जनार्थ करने की अनुमति प्रदान कर दी गयी (द्रष्टव्यम् – संलग्नकसंख्या - २)।
- पूर्वव्यापी प्रभाव से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठास्तर के चतुर्थ अयन विद्यार्थियों के द्वारा चतुर्थ अयन में आठ मूल्याङ्कों के और पञ्चम-षष्ठ अयनों में इन्ही विद्यार्थियों की चयनाधारितमूल्यपद्धति के अन्तर्गत अपेक्षित मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति प्रदान कर दी गई (द्रष्टव्यम् – संलग्नकसंख्या - २)।
- पूर्वव्यापी प्रभाव से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर में चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) निर्धारित (१४०) मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ पाठ्यक्रम के पुनस्संरचनार्थ अनुमति दे दी गई। स्नातक प्रथम अयन (2017 ख्रिष्टाब्द) में २४ श्रेयाङ्क पढ़ाये जा रहे हैं, जिनकी पूर्वव्यापी प्रभाव से अनुमति दे दी गई। एवं इसके बाद अर्थात् जुलाई २०१८ के वृष्टि सत्र से संलग्नकसंख्या-३.ब में प्रदर्शित किये गये अयनानुसार श्रेयाङ्कों को पढ़ाया जायेगा यह भी अनुमति दे दी गई। (द्रष्टव्यम्-संलग्नकसंख्या-३अ, ३ब)

संलग्नकसंख्या-२

कक्षा	सम्पूर्ण स्नातक प्रतिष्ठा में अपेक्षित श्रेयाङ्क	पूर्व अयनों में अर्जित श्रेयाङ्क (अयनानुसार क्रमशः)	अपेक्षित श्रेयाङ्क (अयनानुसार क्रमशः)
स्नातकतृतीय अयन	१४०	२०+२०=४०	२४+२४ + २६ +२६=१००
स्नातकपञ्चम अयन	१४०	२०+१८+१८+२८=८४	२६ + ३०=५६

तृतीय एवं पञ्चम अयन के विद्यार्थियों द्वारा अर्जित किये जा रहे श्रेयाङ्कों का प्रथम सत्र से अब तक का विवरण -

हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, धर्मशाला

भाषासंकायः

विभागः – संस्कृतम्

संस्कृतविभागस्य पाठ्यसमितेः पञ्चमस्य उपवेशनस्य (BOS 5TH) कार्यविवरणम्

संस्कृतविभागस्य पाठ्यसमितेः पञ्चमस्य उपवेशनस्य आयोजनं हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयस्य धर्मशालास्थे धौलाधारपरिसरे १५ अक्तूबर,२०१९ दिनाङ्के, १०.३० पूर्वाह्णे अभवत् । गोष्ठ्या आरम्भः समितेः अध्यक्षस्य संयोजकस्य च डॉ० बृहस्पतिमिश्रस्य औपचारिकस्वागतभाषणेन अभवत् ।

संगोष्ठ्यां समुपस्थिताः सदस्याः –

१. डॉ० बृहस्पतिमिश्रः, संस्कृतविभागस्य अध्यक्षः, पाठ्यसमितेः संयोजकश्च ।
२. प्रो० हर्षमेहता, बाह्यविषयविशेषज्ञः, सेवानिवृत्तः आचार्यः, पञ्जाब विश्वविद्यालयः (तलवाड़ा टाउनशिप होशियारपुर)
३. डॉ० ओमदत्तसरोचः, बाह्यविषयविशेषज्ञः, सेवानिवृत्तः प्राचार्यः, संस्कृतमहाविद्यालयः, चकमोहः, हमीरपुरम् ।
४. प्रो० रोशन लाल शर्मा, कुलपतिद्वारा नामितः, आङ्गलविभागस्य विभागाध्यक्षः
५. प्रो० बलवान् गौतमः, कुलपतिद्वारा नामितः, आचार्यः, अम्बेडकर-पीठम्
६. डॉ० कुलदीपकुमारः, सहायकाचार्यः, संस्कृतविभागः
७. डॉ० विवेकशर्मा, सहायकाचार्यः, संस्कृतविभागः
८. डॉ० भजहरिदासः, सहायकाचार्यः, संस्कृतविभागः
९. श्रीमती अर्चना (विशेषामन्त्रिता), सहायकाचार्या, संस्कृतविभागः
१०. डॉ अंकुशकुमारः, सहायकाचार्यः (अतिथिः), संस्कृतविभागः
११. सुश्री सोनिका, सहायकाचार्या (अतिथिः), संस्कृतविभागः

गोष्ठ्यामस्याम् एषा कार्यसूची विभागाध्यक्षेन समुपस्थापिता –

- ५.१- ८अगस्त,२०१८ दिनाङ्के आयोजितपाठ्यसमितेः (BOS-4TH) कार्यवृत्तस्य उपस्थापनम् ।

- संस्कृतविभागेन स्नातकस्तरे वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्रस्य द्विवार्षिककर्मकाण्ड-अनुधिः (डिप्लोमा) इत्यनयोः अनुमोदनम् पाठ्यक्रमयोः (संलग्नकः-२) स्वीकृतिश्च ।
- ५.३ - संस्कृतविभागेन स्नातकोत्तरस्तरे वार्षिक-संस्कृत-अनुवाद-अनुधिः (डिप्लोमा) इत्यस्य अनुमोदनम् पाठ्यक्रमस्य स्वीकृतिश्च ।
- ५.४ – नूतनपाठ्यक्रमाणाम् अनुमोदनम् –

  कौशलविकासः (skill development) :- व्यावहारिक - संस्कृतम् ।

  मानवनिर्माणम् (human making) :- संस्कृत-ज्ञानपरम्परा ।
- ५.५ - सर्वेषु पाठ्यक्रमेषु पाठ्यपुस्तकानां निर्धारिता सूची निर्मिता भवेदित्यस्य संस्तुतिः ।
- ५.६ - संस्कृतविभागस्य छात्राणां कृते कार्यशाला ।
- ५.७ - शोधच्छात्रस्य दीपकनौटियालस्य विषयस्वीकृतिः अंशकालिकविद्यावारिधेः संस्तुतिश्च ।
- ५.८ – संस्कृतविभागस्य शोधनिर्देशकानां पुष्टिः ।
- ५.९ - शोधच्छात्रस्य चमनलालस्य विद्यावारिधेः विषयस्वीकृतिः ।

अधुना कार्यविवरणमिदमस्ति –

<u>विषय क्र. एस.के.टी. / बी.ओ.एस. / ५.१</u> :

- ८ अगस्त ,२०१८ दिनाङ्के आयोजितपाठ्यसमितेः कार्यवृत्तस्योपस्थापनम् । (संलग्नकः -१)

<u>कार्यविवरणम्</u> :

संस्कृतविभागस्य पञ्चमपाठ्यसमितेः (BOS-5th) समक्षमुपस्थापितानां चतुर्थपाठ्यसमितेः (BOS-4th) निर्णयानां नियमानां कार्याणाञ्च अनुमोदनं कृतम् ।

<u>विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.२</u> :

- संस्कृतविभागेन स्नातकस्तरे वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्रस्य द्विवार्षिककर्मकाण्ड-अनुधिः (डिप्लोमा) इत्यनयोः अनुमोदनम् पाठ्यक्रमयोः (संलग्नकः-२) स्वीकृतिश्च ।

<u>कार्यविवरणम्</u> :

संस्कृतविभागेन स्नातकस्तरे वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्रस्य द्विवार्षिक-कर्मकाण्डस्य अनुधिः (डिप्लोमा) इति पाठ्यक्रमयोः प्रवेशार्हतायाः श्रेयाङ्कानाञ्च

विषये चर्चा कृता, यस्मिन् प्रवेशयोग्यता वरिष्ठ-माध्यमिक-स्तरोत्तीर्णता (10+2) स्यात् । वार्षिक-कर्मकाण्डपाठ्यक्रमस्य श्रेयाङ्काः चत्वारिंशत् (40) तथा च द्विवार्षिक-कर्मकाण्डपाठ्यक्रमस्य श्रेयाङ्काः अशीतिः (80) भवेयुः इति नियमानुसारं प्रस्तावितम् ।

पाठ्यक्रमविषये (CDC) एका गोष्ठी आयोजिता आसीत् तस्यां विशेषज्ञरूपेण द्वौ विद्वांसौ उपस्थितौ आस्ताम् । श्रीलक्ष्मीनिवासपाण्डेयः तथा च श्रीबनवारीशर्मा इत्येताभ्यां विशेषज्ञाभ्यां पाठ्यक्रमस्य प्रारूपं निर्माय प्रदत्तम् ।

वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्र-पाठ्यक्रमस्य **(CERTIFICATE COURSE)** नाम **विशारदः** एवञ्च द्विवार्षिक-कर्मकाण्ड-अनुधि-पाठ्यक्रमस्य **(DIPLOMA COURSE)** नाम **प्रवीणः** इति नाम विषये चर्चा जाता सर्वसम्मत्या च निर्णीतम् ।

गोष्ठ्यां ओम्दत्तसरोचमहोदयेनोक्तं यत् सन्दर्भग्रन्थेषु कर्मठगुरुः, नित्यपूजाप्रकाश-इत्यादीनां प्रमुखानां ग्रन्थानां समायोजनं भवेदिति चर्चितम् । सर्वसम्मत्या प्रस्तावः स्वीकृतः ।

<u>विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.३</u> :

- संस्कृतविभागेन वार्षिक–संस्कृत-अनुवाद-अनुधिः (डिप्लोमा) इत्यस्य अनुमोदनम् पाठ्यक्रमस्य (संलग्नकः-३) स्वीकृतिश्च ।

<u>कार्यविवरणम्</u> :

संस्कृतविभागेन स्नातकोत्तरस्तरे वार्षिक-संस्कृत-अनुवाद-अनुधि (डिप्लोमा) इति पाठ्यक्रमस्य प्रवेशार्हतायाः श्रेयाङ्कानाञ्च विषये चर्चा कृता, यस्मिन् प्रवेशयोग्यता स्नातकः (B.A) स्यात् । वार्षिक-संस्कृत-अनुवाद-अनुधि-पाठ्यक्रमस्य श्रेयाङ्काः चत्वारिंशत् (40) भवेयुः इति नियमानुसारं प्रस्तावितम्, यदि 20 श्रेयाङ्काः प्राप्ताः चेत् प्रमाणपत्रं प्रदास्यते । सर्वसम्मत्या प्रस्तावः स्वीकृतः । पाठ्यक्रमव्याख्यानयोजनायाः कृते एकां समितिम् विभागाध्यक्षः रचयिष्यति । सा समितिः पाठ्यक्रमस्य विवरणं प्रस्तावयिष्यति ।

<u>विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.४</u> :

- नूतनपाठ्यक्रमाणाम् अनुमोदनम् – (संलग्नकः- ४)

कौशलविकासः (skill development) :- व्यावहारिक-संस्कृतम् ।

मानवनिर्माणम् (human making) :- संस्कृत-ज्ञानपरम्परा

कार्यविवरणम् :

➢ कौशलविकासान्तर्गतं (skill development) व्यावहारिक-संस्कृतम् एवञ्च मानवनिर्माणान्तर्गतं (human making) संस्कृत-ज्ञानपरम्परा इत्येते पत्रे सम्यकग्-रूपेण चर्चानन्तरम् उपयोगिताञ्च परिशील्य समित्या स्वीकृते ।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.४ :

➢ सर्वेषु पाठ्यक्रमेषु पाठ्यपुस्तकानां निर्धारिता सूची निर्मिता भवेदित्यस्य संस्तुतिः ।

कार्यविवरणम् :

➢ हर्षमेहतामहोदयेन अस्मिन् विषये सम्मतिः दत्ता यत् प्रश्नपत्राणां निर्माणार्थं निर्धारित-ग्रन्थसूच्याः नितान्तावश्यकता भवति । एवं प्रकारेण स्वीकृतपाठ्यक्रमेषु प्रस्तुतं संशोधनं स्वीकृतम् ।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.५ :

➢ संस्कृतविभागस्य छात्राणां कृते कार्यशाला ।

कार्यविवरणम् :

➢ विभागस्य सर्वेषां छात्राणाम् संस्कृतभाषायाम् अधिकतरं भाषाकौशलविकासाय परिष्काराय तथा च योगे रुचि-संवर्धनाय प्रतिसत्रं प्रायोगिककक्षायाः कृते कार्यशालाः भवेयुः । अथ भाषाप्रबोधनकार्यशालायाः भाषापरिष्कारकार्यशालायाः योगकार्यशालायाः चायोजनं भवेत् । विभागाध्यक्षः उक्तवान् SKT210, SKT311 पाठ्यक्रमयोः योगासनानां दशदिवसात्मिकायाः प्रायोगिककक्षायाः आयोजनम् आवश्यकम् अस्ति, समित्या इत्यस्मिन् विषये चर्चायाम् उपस्थापितं यत् संस्कृतभाषायां सर्वेषां छात्राणां सम्यग् गतिः भवेत् । अत एव भाषाप्रबोधनकार्यशालायाः भाषापरिष्कारकार्यशालायाः योगकार्यशालायाः चायोजनं भवेदित्यस्य स्वीकृतिः तथा च SKT210, SKT311 पाठ्यक्रमयोः तदनुसारं प्रस्तुत-संशोधनस्य अनुमतिः प्रदत्ता ।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.६ :

➢ शोधच्छात्रस्य दीपकनौटियालस्य विषयस्वीकृतिः अंशकालिक-विद्यावारिधेः संस्तुतिश्च ।

कार्यविवरणम् :

संस्कृतविभागस्य शोधच्छात्रस्य दीपकनौटियालस्य शोधविषयस्य स्वीकृतिः तथा च अन्यत्र वृत्तिकारणेन (SERVICE) तदीयस्य विद्यावारिधेः अंशकालिकरूपेण अनुमोदनं कृतम् ।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.७ :

➢ संस्कृतविभागस्य शोधनिर्देशकानां पुष्टिः ।

कार्यविवरणम् :

संस्कृतविभागे शोधार्थिभिः शोधनिर्देशकानां चयनं कृतम् । पश्चात् विभागाध्यक्षेण तेषामनुमोदनं कृतम् । अनुमोदितानां अधोलिखितानां शोधनिर्देशकानां पुष्टिः कृता –

क्रमाङ्कः	शोधनिर्देशकः	शोधच्छात्रः
01.	डॉ० कुलदीपकुमारः	दीपकनौटियालः, चमनलालः, अनिलकुमारः
02.	डॉ० विवेकशर्मा	पङ्कजशर्मा
03.	डॉ० भजहरिदासः	असीमहालदारः

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.८ :

➢ शोधच्छात्रस्य चमनलालस्य विद्यावारिधेः विषयस्वीकृतिः ।

कार्यविवरणम् :

संस्कृतविभागस्य शोधच्छात्रस्य चमनलालस्य शोधविषयः प्रथमं संस्कृतवाङ्मये रोगोपचारः (अग्निपुराणस्य विशेषसन्दर्भे) इत्यासीत् । स च परिवर्त्य **अग्निपुराणे रोगोपचार** इति रूपेणानुमोदितः ।

डॉ० ओमदत्तसरोचः,
बाह्यविषयविशेषज्ञः

प्रो० हर्षमेहता,
बाह्यविषयविशेषज्ञः

प्रो० रोशन लाल शर्मा,
कुलपतिद्वारा नामितः

प्रो० बलवान् गौतमः,
कुलपतिद्वारा नामितः

डॉ० बृहस्पतिमिश्रः,
संस्कृतविभागस्य अध्यक्षः,
पाठ्यसमितेः संयोजकश्च

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालयः
Central University of Himachal Pradesh
पोस्टबॉक्सन.- 21, धर्मशाला,जिला - कांगड़ा, हिमाचलप्रदेश
PO Box: 21, DHARAMSHALA, DISTRICT KANGRA,
HIMACHAL PRADESH – 176215

भाषा संकायः
संस्कृत विभागः

10 सितम्बर 2020 दिनाङ्के अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल) आयोजितायाः संस्कृत-विभागस्य पाठ्य-समितेः षष्ठ्याः गोष्ठ्याः (BoS 6th) कार्य-विवरणम्

हिमाचल-प्रदेश-केन्द्रीय-विश्वविद्यालयस्य संस्कृत-विभागस्य पाठ्य-समितेः षष्ठी गोष्ठी अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल By Circulation) 10 सितम्बर 2020 दिनाङ्के आयोजिता।

पाठ्यसमितेः अधिसूचनायाः (पत्राङ्क–1-4/हि.प्र.के.वि./सा.प्र./2010/5795-5800/23 सितम्बर2019) अनुसारम् अधिसूचितानाम् अधोलिखित-सदस्यानां कृते अणुपत्रं (ई.मेल) प्रेषितम् –

1. डॉ. ओम्दत्तसरोचः, सेवानिवृत्तप्राचार्यः , ग्रामः - पिपलू, पत्रालयः - घलू, द्वारा धनेटा, जनपदः – ऊना , हिमाचलप्रदेशः (बाह्य-विषयविशेषज्ञ-रूपेण सदस्यः)

2. डॉ. हर्षमेहता, सेवानिवृत्त-आचार्यः, 11 एल, टी -5, सेक्टर-1, तलवाडा टाउन शिप, होशियारपुर, पंजाब, (बाह्य-विषयविशेषज्ञ-रूपेण सदस्यः)

3. प्रो. रोशनलालशर्मा, अधिष्ठाता, छात्र-कल्याण, (माननीय-कुलपति-द्वारा-नामित-विश्वविद्यालयस्य संकाय-सदस्यः)

4. प्रो. बलवान् सिंहगौतमः, पीठाध्यक्षः, डॉ. आम्बेडकरपीठम्, (माननीय-कुलपति-द्वारा-नामित-विश्वविद्यालयस्य संकाय-सदस्यः)

अणुपत्रे (ई.मेल) अधोलिखितः विषयः प्रेषितः -

विषयः - संस्कृत-विभागस्य पाठ्यसमितेः (BoS-6th) षष्ठ-गोष्ठ्याम् (10-09-2020) आमन्त्रणस्य सम्बन्धे ।

आदरणीयमहोदय !

सविनयं निवेदनम् अस्ति यत् पाठ्यसमितेः (BoS-6th) षष्ठ-गोष्ठी दिनाङ्के 10-09-2020 अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल By Circulation) निश्चिता अस्ति। अत्र भवान् सम्बद्ध-विषय-विशेषज्ञरूपेण/कुलपतिनामित-सदस्यरूपेण सादरं निमन्त्रितः अस्ति।

संस्कृतविभागस्य पाठ्यसमितेः अणुपत्रमाध्यमेन
षष्ठतमस्य उपवेशनस्य (BOS-6th) कार्यसूची

विषय: - क्र. एस.के.टी. / बी.ओ.एस. / ६.१ :

➢ हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वद्यालयस्य धौलाधारपरिसरस्य सगोष्ठीकक्षे 8 मई 2019 दिनाङ्के अनौपचारिक-संस्कृतशिक्षण-प्रकल्पस्य समापनसमारोहकार्यक्रमे कुलपतिना कुलदीपचन्दाग्निहोत्रिणा घोषणा कृतासीत् यत् अधुना हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वद्यालस्य स्नातकसंस्कृत (बी०ए०) इति उपाधिपत्रे शास्त्री इत्यपि पदं लेखिष्यते।

कुलपतिवर्यस्य निर्देशः अस्ति यत् उपर्युक्तविषयस्य विचार-विमर्शः शीघ्रातिशीघ्रं भवेदिति। अतः अस्य विषयस्य एषा अणुपत्रमाध्यमेन गोष्ठी आयोजिता।

अस्मिन् विषये स्वीयान् विचारान् तथा च सम्मतिः असम्मतिः इति अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल) यथाशीघ्रं प्रकाशयन्तु एतदर्थं सादरं निवेद्यते ।

सादरं धन्यवादः

(डॉ. बृहस्पतिमिश्रः)
अध्यक्षः – पाठ्य-समितिः
विभागाध्यक्षः – संस्कृतविभागः, अधिष्ठाता - भाषासंकायः
हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, हिमाचल प्रदेश- 177041

उपर्युक्ते विषये अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल By Circulation) सर्वैः सदस्यैः स्वमतं व्यक्तीकृतम्। डॉ. ओम्दत्त सरोचशर्ममहोदयः अस्मिन् विषये स्वकीयाम् असम्मतिं व्यक्तवान्। शेषैः सदस्यैः अस्मिन् विषये स्वकीयाः सम्मतयः व्यक्ताः। (अणुपत्राणि मुद्रितानि संलग्नानि)। एतेन सहैव सम्मतिकर्तृभिः शेषसदस्यैः दूरभाषचर्चया अस्मिन् विषये अपि सम्मतिः कृता यत् एषःनिर्णयः पूर्वप्रभाविस्तरे (Retrospective) स्नातक-संस्कृतस्य (B.A. संस्कृत) पूर्व-उपाधिप्रमाणपत्रेषु अपि प्रवर्त्तयितुं शक्यते।

अतः बहुमतेन अस्य विषयस्य - **"हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयस्य स्नातक-संस्कृतस्य (B.A. संस्कृत) उपाधिप्रमाणपत्रे B.A. सार्धमेव शास्त्री शब्दस्यापि उल्लेखः भवतु तथा च पूर्वप्रभाविस्तरे (Retrospective) स्नातक-संस्कृतस्य (B.A. संस्कृत) पूर्व-उपाधिप्रमाणपत्रेषु अपि प्रवर्त्तयितुं शक्यते"** इत्यस्य निर्णयः जातः।

14-09-2020

(डॉ. बृहस्पतिमिश्रः)
अध्यक्षः – पाठ्य-समितिः
विभागाध्यक्षः – संस्कृतविभागः, अधिष्ठाता - भाषासंकायः
हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, हिमाचल प्रदेश- 177041

प्रतिलिपयः निम्नलिखितेभ्यः सूचनार्थं तथा च आवश्यककार्यवाही-हेतुः –
1. माननीय-सदस्येभ्यः सूचनार्थम्।
2. कुलसचिवः, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः
3. अधिष्ठाता - भाषासंकायस्य संचिकायाम्।
4. कुलपतिमहोदयस्य निजीसचिवाय – कृपया माननीयकुलपतिमहोदयस्य सूचनार्थम्।

(हिन्दी-भाषया अनुवादः)

10 सितम्बर 2020 को ई.मेल के माध्यम से आयोजित संस्कृत विभाग की पाठ्य समिति की षष्ठी गोष्ठी (BoS 6th) का कार्य विवरणम्

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की षष्ठी पाठ्य समिति की गोष्ठी ई-मेल के माध्यम से (By Circulation) 10 सितम्बर 2020 को की गई।

पाठ्य समिति की अधिसूचना (पत्राङ्क–1-4/हि.प्र.के.वि./सा.प्र./2010/5795-5800/23 सितम्बर2019) के अनुसार अधिसूचित अधो लिखित सदस्यों को ई मेल किया गया –

1. डॉ. ओम्दत्तसरोचः, सेवानिवृत्तप्राचार्यः , गाँव पिपलू, डाक - घलू, बाया धनेटा, जिला – ऊना , हिमाचलप्रदेशः (बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में सदस्य)
2. डॉ. हर्ष मेहता, सेवानिवृत्त आचार्यः, 11 एल, टी -5, सेक्टर-1, तलवाडा टाउन शिप, होशियारपुर, पंजाब, (बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में सदस्य)
3. प्रो. रोशन लाल शर्मा, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, (माननीय कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य)
4. प्रो. बलवान सिंह गौतम, चेयर प्रोफेसर, डॉ. आम्बेडकर चेयर, (माननीय कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य)

ईमेल में अधो लिखित विषय प्रेषित किया गया -

विषयः - संस्कृत-विभागस्य पाठ्यसमितेः (BoS-6th) षष्ठ-गोष्ठ्याम् (10-09-2020) आमन्त्रणस्य सम्बन्धे ।
आदरणीयमहोदय !

सविनयं निवेदनम् अस्ति यत् पाठ्यसमितेः (BoS-6th) षष्ठ-गोष्ठी दिनाङ्के 10-09-2020 अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल By Circulation) निश्चिता अस्ति। अत्र भवान् सम्बद्ध-विषय-विशेषज्ञरूपेण/कुलपतिनामित-सदस्यरूपेण सादरं निमन्त्रितः अस्ति।

संस्कृतविभागस्य पाठ्यसमितेः अणुपत्रमाध्यमेन
षष्ठतमस्य उपवेशनस्य (BOS-6th) कार्यसूची

विषयः - क्र. एस.के.टी. / बी.ओ.एस. / ६.१ :

➢ हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वद्यालयस्य धौलाधारपरिसरस्य सगोष्ठीकक्षे 8 मई 2019 दिनाङ्के अनौपचारिक-संस्कृतशिक्षण-प्रकल्पस्य समापनसमारोहकार्यक्रमे कुलपतिना कुलदीपचन्दाग्निहोत्रिणा घोषणा कृतासीत् यत् अधुना हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वद्यालस्य स्नातकसंस्कृत (बी०ए०) इति उपाधिपत्रे शास्त्री इत्यपि पदं लेखिष्यते।

कुलपतिवर्यस्य निर्देशः अस्ति यत् उपर्युक्तविषयस्य विचार-विमर्शः शीघ्रातिशीघ्रं भवेदिति । अतः अस्य विषयस्य एषा अणुपत्रमाध्यमेन गोष्ठी आयोजिता ।

अस्मिन् विषये स्वीयान् विचारान् तथा च सम्मतिः असम्मतिः इति अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल) यथाशीघ्रं प्रकाशयन्तु एतदर्थं सादरं निवेद्यते ।

सादरं धन्यवादः

(डॉ. बृहस्पतिमिश्रः)
अध्यक्षः – पाठ्य-समितिः
विभागाध्यक्षः – संस्कृतविभागः, अधिष्ठाता - भाषासंकायः
हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, हिमाचल प्रदेश- 177041

उपर्युक्त विषय में ई-मेल के माध्यम से सभी सदस्यों ने अपना मत व्यक्त किया । डॉ. ओम्दत्त सरोच शर्मा महोदय जी ने इस विषय में अपनी असम्मति व्यक्त की । शेष सभी सदस्यों ने इस विषय में अपनी सम्मति व्यक्त की । (ईमेल मुद्रित संलग्न) । इसके साथ ही सम्मति व्यक्त करने वाले शेष सभी सदस्यों ने दूरभाष चर्चा में इस विषय में भी सम्मति दी कि इस निर्णय को पूर्वप्रभावी (Retrospective) स्तर पर स्नातक संस्कृत (B.A. संस्कृत) के उपाधि प्रमाणपत्र में भी लागू किया जा सकता है ।

अतः बहुमत से इस विषय – "**हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्नातक संस्कृत (B.A. संस्कृत) के उपाधि प्रमाणपत्र में B.A. के साथ शास्त्री शब्द का उल्लेख करने तथा पूर्वप्रभावी (Retrospective) स्तर पर स्नातक संस्कृत (B.A. संस्कृत) के उपाधि प्रमाणपत्र में भी लागू किया जा सकता है**" का निर्णय किया गया ।

(इति शम्)